संपादक के नोट

मैं मेरे प्रभु और उद्धरकता येशु मसीह के अतुलनीय नाम से आप सबका अभिवादन करती हूँ। मैं विश्वास करती हूँ कि तुम भी वर्षा की भराई के आनंद उठा रहे हो और मैं प्रार्थना करती हूँ कि आशीष की वर्षा तुम सब पर बरसे। इसी तरह से मैं प्रार्थना करती हूँ कि पवित्र आत्मा तुम सब पर बरसे और तुम बहुतों के लिए आशीष ठहरो।

लूका **१०:१** इसके पश्चात प्रभु ने सत्तर अन्य व्यक्तियों को नियुक्त किया और उन्हें अपने आगे दो दो करके प्रत्येक नगर और स्थान को भेजा जहाँ वह स्वयं जाने पर था।

पिता परमेश्वर ने हमे पवित्र आत्मा दिया है ताकि हम दूसरों की सेवा कर सके और बहुतों को प्रभु के पास लाए। इस लिए पवित्र आत्मा ने हमे दिया हुआ तलांत कभी नहीं छिपाना। चाहे तुम्हारे पास समय हो न हो, सुसमाचार का प्रचार ध्यान से करो। बहुत लोग परमेश्वर के सामर्थ और वरदानों को तरसते हैं। लेकिन वें तैयार नहीं हैं बलिदान करने के लिए प्रभु की सेवा करने के लिए। इस कारण पवित्र आत्मा वरदान उनमें बुझ जाती है।

मत्ती **९:३७–३८** – तब उसने अपने चेलों से कहा, "पकी फसल तो बहुत है, परन्तु मज़दूर थोड़े हैं। इसलिए फसल के स्वामी से विनती करो कि वह फसल काटने के लिए मज़दूर भेज दे।"

प्रभु की सेवा करते रहने में तुम पवित्र आत्मा के महान सामर्थ का अनुभव करोगे। केवल दो–दो करके लोगों को भेजने में लेकिन चिन्हों और अद्‌भुत कार्यों में उसने उसके वचन को पूरा किया। प्रभु आज भी वादा करता है। निर्गमन **२०:२४** – तुम मेरे लिए मिट्टी की एक वेदी बनाना और उसपर तुम अपने बैलों और भेड़ों की होमबलि चढ़ाना; जहां जहां मैं अपने नाम का स्मरण कराऊं, वहां वहां मैं आकर तुम्हें आशिष दूँगा।

प्रभु में अति–प्रियों, चाहे तुम किसी भी स्थान में प्रभु की सेवा कर रहे हो, वह वहाँ आकर तुम्हे आशीष देगा। येशु ने यूहन्ना **१२:२६** में कहा – यदि कोई मेरी सेवा करना चाहे तो मेरे पीछे चले। और जहाँ मैं हूँ मेरा सेवक भी होगा। यदि कोई मेरी सेवा करे तो पिता उसका सम्मान करेगा।

यह बहुत ही महान सम्मानजनक है पिता से आशीष प्राप्त करना। सांसारिक राजा क्षयर्ष, जब उसने एक मनुष्य को सम्मानित करने के बारे में सोचा। एस्तेर

६:७–९ – तब हामान ने राजा को उत्तर दिया, "राजा जिस मनुष्य की प्रतिष्ठा करना चाहे उसके लिए वह राजसी पोशाक लाई जाए जिसे राजा पहन चुका है, और एक घोड़ा भी जिसपर राजा सवार होता है, और वह मुकुट जो राजा के सिर पर रखा जाता है, लाया जाए और वह पोशाक और घोड़ा राजा के किसी श्रेष्ठ अधिकारी को सौंप दिया जाए कि उस मनुष्य को जिसका आदर राजा करना चाहता है राजसी वस्त्र पहनाए जाएं, और उसका घोड़े पर सवार कराके नगर के चौक में घुमाया जाए और उसके आगे आगे यह प्रचार किया जाए कि राजा जिसकी प्रतिष्ठा करना चाहता है, उसके साथ ऐसा ही किया जाएगा।"

इसलिए परमेश्वर के प्रियों, जब तुम प्रभु की सेवा करते हो, हमारा स्वर्गीय पिता कहेगा, "शाबाश, हे अच्छे और विश्वासयोग्य दास! तू थोड़े ही में विश्वासयोग्य रहा, मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी ठहराऊंगा। अपने स्वामी के आनन्द में सहभागी हो।" हमारा आनंद कितना महान होगा। उनके लिए जो प्रभु की सेवा करते हैं, उन्हे वह आग का ज्वाला बनाएगा। तेरी हानि के लिए बनाया कोई भी हथियार सफ़ल न होगा, और जितनी भी जीभें तुझ पर दोष लगाएं तू उन्हें दोषी ठहराएगी। यहोवा के दासों का यही भाग होगा, और वे मेरे कारण निर्दोष ठहराए जाएंगे।" यहोवा की यही वाणी है। इसलिए परमेश्वर के प्रियों, प्रभु की सेवा करो। प्रकाशितवाक्य **२२:४** – वे उसके मुख को देखेंगे और उसका नाम उनके मस्तको पर होगा।

बिखरे हुए भीड़ों में, पाँच हज़ार लोग परमेश्वर के वचन को सुनने के लिए आए। पाँच सौ लोग आगे आए परमेश्वर के दर्शन को देखने के लिए एक सौ बीस लोग आए ऊपरी कक्ष में प्रभु से अभिषेक पाने के लिए। सत्तर लोगों ने अपने–आप को परमेश्वर की सेवा के लिए अर्पण किए। बारह प्रेरित आनंद से आए अभिषेक के सामर्थ और अधिकार को प्राप्त करने के लिए। येशु ने उन्हे वादा किया जैसे कि मत्ती **१०:१** – तब येशु ने अपने बारह चेलों को बुलाकर, उन्हें अशुद्ध आत्माओं पर अधिकार दिया कि उन्हें निकालें और सब प्रकार की बीमारी तथा सब प्रकार की दुर्बलता को चंगा करें।

इसलिए प्रियों, मैं नहीं चाहती की तुम आतमिक वरदानों के बारे अनभिज्ञ रहो। वरदान अलग–अलग होंगे लेकिन परमेश्वर एक है।

१ कुरिन्थियों **१२:७–१२** – परन्तु प्रत्येक को सब की भलाई के लिए आतमिक वरदान दिया जाता है। क्योंकि एक को आत्मा के द्वारा बुद्धि का वचन और दूसरे को उसी आत्मा के द्वारा ज्ञान का वचन दिया जाता है। किसी को उसी आत्मा से विश्वास का तथा किसी और को उसी एक आत्मा से चंगा करने का वरदान दिया जाता है, फिर किसी को सामर्थ के कार्यों की शक्ति और किसी को नबूवत करने, किसी को आत्माओं की परख, किसी को भिन्न भिन्न प्रकार की भाषाएं बोलने, और किसी को भाषाओं का अर्थ बताने का वर्दान दिया जाता है। परन्तु वही एक आत्मा ये सब कार्य करवाता है और अने इच्छानुसार जिसे जो चाहता है अलग–अलग बांट देता है। इसलिए परमेश्वर के अति–प्रियों, किसके लिए आतमिक वरदान रखे गए हैं? तुम्हारे और मेरे लिए! हो सकता है कि हम योग्य नहीं। तुम में बहुत सी कमियाँ हो सकती हैं। मैं बुरी हो सकती हूँ। पवित्र–शास्त्र कहता है भजन संहिता **६८:१८** में तू उंचे पर चढ़ा, तू बनदियों को बंधुवाई में ले गया। तू ने लोगों से वरन हठीले लोगों से भी भेंटें लीं, कि याह परमेश्वर वहां वास करे। हठीले के लिए भी परमेश्वर ने उसके आतमिक वरदानों को रखा है।

आतमिक वरदानों को पाने के लिए हे वही इच्छा रखना हैं जो एलीशा में था। उसने अपना सारा काम–दाम छोड़कर एलिय्याह का पीछा किया। उस कारण वह सारे वस्तुओं को त्यागने के लिए तैयार था और कठिन मार्ग पर चलने के लिए तैयार था। उस प्रकार एलीशा ने एलिय्याह के दुग्ना आशीष को पाया। इसलिए प्रभु में मेरे प्यारों, प्रभु के मार्गों में चलने के लिए तैयार रहो, चाहे वह कितना भी कठिन हो, ताकि तुम बहुतायत रीति से प्रभु द्वारा आशिषित हो जाओ। परमेश्वर तुम सबको आशिषित करे, हमारी अगली मुलाकात तक।

पास्टर सरोजा म.

परमेश्वर उसके सच्चे चुने हुओं के लिए आएगा।

मत्ती **२४:३१** – और वह तुरही की तीव्र ध्वनि के साथ अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे चारों दिशाओं में आकाश के एक छोर से लेकर दूसरे छोर तक, उसके चुने हुओं को एकत्रित करेंगे। परमेश्वर अपने दूतों को पृथ्वी पर भेजता है हमारे लिए, दूत अनेक तरीकों से कार्य करते हैं, जैसे कि, हमारा मार्ग–दर्शन, वें हमारी देख–रेख करते हैं, वें हमे बचाते हैं; आदि। जब हम ऊपरी वचनों को पढ़ते हैं, दूतों को भेजा जा रहा है परमेश्वर के चुने हुओं को पृथ्वी की चारों ओर से इकट्ठा करने के लिए। जब हमारा परमेश्वर उसकी महिमा में नीचे उतरेगा, उस दिन, वह तुरही के महान गूँज के साथ आएगा उस समय वह अपने दूतों के साथ आएगा उसके चुने हुओं को एकत्रित करने के लिए। परमेश्वर ने इस संसार की सारी चीज़े बनाई और सारी चीज़े मिट जाएँगी। लेकिन हम मानव–जाति उसके खुदके हाथों से बनाए गए हैं और उसके रूप में और उसके श्वास से। इसलिए, वह मानव–जाति से अत्यंत प्यार करता है और हम उसके नज़रों में बहुत अमूल्य हैं। इसलिए अंत के समय मे वह उसे दूतों को भेजेगा उसके चुन हुओं को चारों ओर इस संसार से इकट्ठा करने के लिए.....जब एक सुनता है कि कहीं तो एक जगह में बम रखी गई है, हम देखते हैं कि कैसे लोग तिथर–बिथर भागने लगते हैं, उनके साथ वें जितना हो सके उनके अमूल्य सामानों को लेकर, आदि और उसी जगह से भाग जाते हैं। इसी प्रकार, कलपना करो क्या होगा जब तुरही की महान गूँज उस दिन सुनाई देगी। हमे इस संसार में सब चीज़ छोड़कर हमारे प्रभु परमेश्वर की ओर पहुँचना है। परमेश्वर ने अब तक इस संसार को क्यों बचाया है? **२** पतरस **३:६–७** – और इसी से उस समय का संसार जलमग्न होकर नष्ट भी हो गया। परन्तु उसके वचन द्वारा वर्तमान आकाश और पृथ्वी भस्म किए जाने के लिए रखे गए हैं और ये अधर्मी लोगों के न्याय और विनाश के दिन तक ऐसे ही रखे जाएंगे। संसार बचाया गया है ताकि न्याय के उस दिन जब परमेश्वर उसके चुने हुओं को लेने आएगा बाकि के अविश्वासी लोग और यह संसार आग से नाश हो जाएँगे परमेश्वर के वचन के अनुसार। जब परमेश्वर ने नूह से जहाज बनाने के लिए कहा, लोग वर्षा क्या है, उसकी कल्पना नहीं कर सकते थे, क्योंके उससे पहले इतना वर्षा नहीं हुआ। इसलिए वे नूह की मज़ाक उड़ाने लगे और ठट्ठा करने लगे जब वह जहाज बना रहा था। इसी प्रकार, परमेश्वर आज भी हमे चेतावनी देता है अंत के दिनों के बारे में – वह

कहता है हमे, कि संसार कैसे नाश किया जाएगा आग से और इस संसार में अविश्वासी रह जाएँगे नाश के लिए। फिर भी, अगर हम हमारे झिद्द में रहेंगे और हम तैयार नहीं हैं उसकी चेतावनी पर ध्यान देने के लिए और एक पाप भरा जीवन जीते रहेंगे, हमारा अंत भी उन लोगों के जैसे होगा जो नूह के समय थे, हम मूर्ख बने रहेंगे और इस संसार में नाश हो जाएँगे....कुछ वर्ष पहले ज़ोरदार वर्षा हुई और गरजनेवाली, बिजली हमारे सड़क पर गिरी और हमारे घरों के बिजली के उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए, यह चेतावनी के चिन्ह हैं परमेश्वर की ओर से। हमे समझना हैं और इन चिन्हों से भय मानना हैं क्योंकि ये अंत के समय के चिन्ह हैं। जैसे एक शिक्षक बच्चों को मारती है बात न मानने के लिए हमारा परमेश्वर नहीं आनेवाला है छड़ी के साथ हमे मारने के लिए, लकिन हमे मूर्ख नहीं बनना हैं परमेश्वर के चेतावनी के चिन्हों को न मानकर। २ पतरस ३:६ कहता है – परन्तु उसके वचन द्वारा वर्तमान आकाश और पृथ्वी भस्म किए जाने के लिए रखे गए हैं और ये अधर्मी लोगों के न्याय और विनाश के दिन तक ऐसे ही रखे जाएंगे। परमेश्वर ने इन सारी चीज़ो को इस संसार में आग से नाश करने के लिए रखा है। आज, जब हम समाचार–पत्र पढ़ते हैं, हमने केवल पढ़ा और सुना है अनेक प्रकार के नाश जो संसार में हो रहा है। हमारे बुदि से, हम "दुखी" महसूस करते हैं इन बातों से, लेकिन याद रखना, पवित्र–शास्त्र कहता है, परमेश्वर के इच्छा बिना, हमारे सिर का एक बाल भी नहीं गिरता। इसलिए, जब यह चीज़े हो रही है, हम में यह जानने की बुद्धी रहनी चाहिए यह परमेश्वर का तरीका है इस संसार पर क्रोध दिखाने का। जो कुछ भी अंत के समय के बारे में पवित्र–शास्त्र में लिखा गया है, जैसे कि मत्ती, मरकुस, लूका, यूहन्ना ये चिन्ह साफ़–साफ़ दिखाई देती है कि पूरा हो रहे हैं केवल परमेश्वर के इच्छा अनुसार फिर भी अविश्वासी लोग इस संसार पर रहेंगे तब तक की महान तुरही इस संसार में फूँकी जाए और परमेश्वर का आग उन्हे इस संसार में नाश करेगी। इस लिए परमेश्वर ने यह संसार को अब तक बचाया है, ताकि ज़्यादा लोग पश्चाताप करेंगे और उसकी ओर माफ़ी के लिए फिरेंगे उसे अपना परमेश्वर कहकर ग्रहण करेंगे और वह लगातार ज़्यादा से ज़्यादा लोग जो उसके हैं इस संसार में उन्हे बचाएगा न्याय के दिन तक। इसलिए हमे हठीले गर्दन वाले नहीं बनना है जो इस संसार में अविश्वासियों के रूप में रहता है, लेकिन पश्चाताप करो और हमारा प्रभु परमेश्वर को जिसने उसका जीवन तुम्हारे और मेरे लिए दिया है, उसे अपनाओ। बहुत से लोग परमेश्वर द्वारा चुने गए हैं इस संसार के नींव से भी पहले, जब कि कुछ उनके माता गर्ब में चुने गए और कुछ उनके क्लेश के द्वारा जन्म लेने के बाद। हम में से बहुत से लोग नाश के अनचाहे हादसाओं को देखने के बाद इस संसार में परमेश्वर की ओर फिरते हैं। इफिसियों १:४ – उसने हमें जगत की उत्पत्ति से पूर्व मसीह में चुन लिया कि हम उसके समक्ष प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों। यहाँ प्रभु कहता है, उसने हम में से कुछ लोगों को इस संसार के नींव से पहले चुना है। इस संसार को हम देखने से भी पहले, हम में से कई परमेश्वर द्वारा चुने गए हैं। यिर्मयाह १:५ – "गर्भ में तेरी रचना करने से पूर्व मैं तुझे जानता था, और तेरे उत्पन्न होने से पहले मैंने तेरा अभिषेक किया। मैंने तुझे जाति जाति के लिए नबी नियुक्त किया है।" हम में से कई अपनी माँ के गर्ब में से चुने गएँ हैं और उसकी महिमा के लिए पवित्र हैं। इस तरह हम देखते हैं कि प्रभु परमेश्वर ने हमें अलग–अलग तरीकों से चुना है। यशायाह ४८:१० – देख, मैंने तुझे शुद्ध तो किया है परन्तु चांदी के समान नहीं; मैंने दुख की भट्ठी में तुझे परख लिया है। हम में से कई दुःख की भट्ठी में चुने गएँ हैं। अंत के समयों में, यह परमेश्वर के बच्चों का सौभाग्य हैं उसके दूतों द्वारा इकट्ठा किए जाने में। येशु कहता है लूका

१८:७ – तो क्या परमेश्वर अपने चुने हुओं का न्याय न करेगा जो रात–दिन उसे पुकारते रहते हैं? क्या व उनके विषय में देर करेगा? यहाँ हम देखते हैं कि परमेश्वर दो भागों के बारे में कहता है – १) उसके चुने हुएँ, और २) जो उसे दिन–रात पुकारते हैं। यह विशेषाधिकार वाले हैं जो परमेश्वर को पुकारते हैं और वह सुनता है और इनकी प्रार्थनाओं का उत्तर देता हैं। ये वें हैं जिन्हे दूत इस पृथ्वी के चारों ओर से इकट्ठा करेगा जब तुरही की गूँज इस पृथ्वी पर सुनाई देगी।

१ पतरस २:९ – परन्तु तुम एक चुना हुआ वंश, राजकीय याजकों का समाज, एक पवित्र प्रजा, और परमेश्वर की निज सम्पत्ति हो, जिस से तुम उसके महान गुणों को प्रकट करो जिसने तुम्हें अंधकार से अपनी अद्‌भुत ज्योति में बुलाया है। अनेक प्रकारों में परमेश्वर ने उसके लोगों को बुलाया है इस संसार में से। परमेश्वर ने हमसे प्रेम किया है और उसकी महान करूणा हम पर करता है – हमारी खुद की इच्छा या बुद्धि से नहीं लेकिन केवल परमेश्वर की महान स्वयं योजना से उसने हमे अंधकार से बाहर उजाले में लाया है। अब क्योंकि हम उसके बच्चें हैं, यह ज़रूरी है हमारे लिए के हम अपने–आप को उसकी ज्योंति से बाँधे और उसके अनुग्रह से। परीक्षाएँ और क्लेश तुम्हे प्रभावित करती रहेगी इस संसार में, प्रलोभन हमारे जीवनों में आते रहेंगे लेकिन हमे विश्वास रखना हैं कि परमेश्वर हमें शक्ति देगा हर प्रलोभन को रूकाने की और केवल वह हमे अनुग्रह देगा हमारे जीवन के हर परीक्षा में। एक बार इस्राएल में आकाल आया था और आकाल चारों ओर थी। इस्राएलियों ने जीवित परमेश्वर पर भरोसा नहीं किया और वें बंधन के देश में फिर खोज के लिए निकले जहाँ उन्होने सोचा कि उन्हे खाना और पानी मिलेगा बड़े तादाद में। नाओमी ने भी वही गलती की। लेकिन हमने देखा के उसके परिवार को क्या हुआ। उसने अपने पती और दोनों बेटों को खोया, उसके दोनों जवान बहुएँ विधवा हो गईं उसके संग। उसके बाद की वेदनाएँ जिनका नाओमी ने सामना किया है, हमने देखा हैं जब वह इस्राएल को छोड़कर मिस्र देश लौटी थी। वही परिस्थिति हमपर भी टूट पड़ सकती हैं, हमे फिर कभी उस बंधन के देश के चीज़ों का मोह नहीं रखना चाहिए। हमारे परमेश्वर ने जब हमे एक बार छू लिया है और हमारे जीवनों को बदल दिया है, हमे फिर हमारे पुराने जीवन में कभी नहीं जाना चाहिए। हमे हमेशा हमारे परमेश्वर में बंधे रहना है और हमारे विश्वास को जो उसमे हैं मज़बूत करना है। परमेश्वर ने "स्त्री" को महान सामर्थ और शक्ति दिया है; वह उसके परिवार की या तो "सकरे मार्ग" से या "चौढ़े मार्ग" से अगुवाई कर सकती है। परमेश्वर न पुरूष को पहले बनाया और उसके अंदर परमेश्वर ने स्त्री को भी बनाया। फिर उसने पुरूष और स्त्री को अलग किया। परमेश्वर ने स्त्री को बहुत से अधिकारों को दिया है, लेकिन उसने अपने अधिकारों का दर्व्यवहार किया और शैतान के योजना में फँस गई अदन के वाटिका में। उसने केवल पाप ही नहीं, बल्कि पुरूष को भी पाप करने के लिए प्रोत्साहित किया। कलपना करो कैसा इच्छा–शक्ति उसके पास था, पाप से बचने के लिए, लेकिन उसने अपने पुरूष को भी पाप करने के लिए प्रोत्साहित करके अपने सामर्थ का दुर्उप्योग किया। यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है हमारे लिए जो सत्रियाँ हैं कि परमेश्वर के सामर्थ, बुद्धि और ज्ञान का उपयोग इस संसार के सखरे मार्ग में करें। जैसे नाओमी ने किया, हमे परीक्षा और क्लेश के समयों में भाग नहीं जाना चाहिए, हमे परमेश्वर पर ध्यान लगाना हैं, और उसकी इच्छा और योजना पर जो हमारे लिए हैं। मत्ती

६:३१–३२ – इसलिए यह कहकर चिन्ता न करो, "हम क्या खाएंगे?" अथवा "क्या पीएंगे?" या "हम क्या पहिनेंगे?" क्योंकि ग़ैरयहूदी उत्सुकता से इन सब वस्तुओं की खोज में रहते हैं, पर तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इन सब वस्तुओं की आवश्यकता

है। परमेश्वर जानता है कि हमारी ज़रूरत क्या है, वह हमेशा चाहता है कि हमे सबसे उत्तम आशीष दें। इस संसार के लोगों जैसे नहीं जो सांसारिक वस्तुओं के पीछे भागते हैं उसे पाने के लिए, परमेश्वर जानता है कि हम में से हर एक की ज़रूरत क्या है और वह हमारा यहोवा–यिरेह हैं, हमारा "देनहारा" कुलुस्सियों ४:१७ – अर्खिप्पुस से कहना, "जो सेवा प्रभु में तुझे सौंपी गई है उसे सावधानी से पुरी कर।" परमेश्वर की इच्छा यह है कि जो भी कार्य उसने हम में से हर एक को दिया है, हमे वह बहुत ही ध्यान से पूरा करना है हम जो सुनते हैं हम जो ध्यान देते हैं हमारे हाथों में जो दिया गया हैं, हमे ध्यान से पूरा करना हैं। यह सारी वस्तुएँ लगन और ध्यान से हमारे जीवन के अंत तक किया जाना चाहिए। जैसे कि वचन कहता है, अर्खिप्पुस से कहना, "जो सेवा प्रभु में तुझे सौंपी गई है उसे सावधानी से पुरी कर।" सेवा पर ध्यान दो, जिसे तुमने प्रभु से पाया है और उसे ध्यान से पूरा करो। परमेश्वर ने हमारे भीतर भी जो कुछ दिया है, हमारी साँस, हमारा प्राण हमे इन्हे ध्यान से रखना हैं धार्मिकता और शुद्धता में और हमे अपने–आप को प्रभु के हवाले करना हैं। दुष्ट हमेशा उसके हाथों को हमारे प्राण पर रखने की कोशिश करेगा, क्योंकि हमारी आत्मा चाहती है लेकिन हमारा शरीर कमज़ोर हैं। दुष्ट भी हमारी कमज़ोरी को जानता है। परमेश्वर जैसे हमारी कमज़ोरी और बलों को जानता है, वह भी जानता है कि हमारा शारिरिक देह को तकलीफ़ कैसे होती है। वह हमारे सारे दुख–दर्द को जानता है। हमे हमेशा आत्मा को बलवान बनाना हैं शारिरिक देह की कमज़ोरी पर प्रभाव करने के लिए, न इसके विपरित।

यशायाह ५८:११ – तब यहोवा निरन्तर तेरी अगुवाई करेगा और उजाड स्थानों में तुझे तृप्त करेगा और तेरे हड्डियों को बल प्रदान करेगा; और तू सींची हुई वाटिका और ऐस सोते के समान हो जाएगा जिसका जल कभी नहीं सूखता। परमेश्वर हमारे शारिरिक देह को अच्छी सेहत देता है भजन संहिता ३४:१७ – धर्मी पुकारते है और यहोवा सुनता है, और उन्हें उनकी सारी विपत्तियों से छुड़ाता है। हमारे जीवन में जो भी तकलीफ़े हो, जब धर्मी प्रभु को पुकारते है, वह हमारी सुनता हैं और हमे हर संकट से बाहर निकालता है। हमे कभी भी हमारे शारिरिक देह की कमज़ोरी को आत्मसमर्पण नहीं करना हैं लेकिन हमे अपने–आप को परमेश्वर के हाथों में देना हैं।

इब्रानियों १०:३९ – हम उन में से नहीं जो नाश होने के लिए पीछे हटते हैं, पर उनमें से हैं, जो प्राणों की रक्षा के लिए विश्वास रखते हैं। हमे हमारे प्राणों को बचाने का लक्ष्य रखना हैं हर समय क्योंकि हम प्रभु परमेश्वर की आराधना करते है जो हमारे प्राण को बचा सकता हैं। दुष्ट हमेशा हमारे प्राण के पीछे है, बहुत ही मधुरता और चालाकी से दुष्ट हमारे जीवनों में प्रलोभनाए लाएगा ताकि हम हमारे विश्वास से गिरे और हमारा भरोसा जो हमारे प्रभु परमेश्वर में है उससे गिरे। हमे दुष्ट का सामना करना हैं हर समय और हमारे प्राण को बचाना हैं। हम सब लगातार अपने शारिरिक शरीर और हमारे भीतर की आत्मा से संघर्ष करते है – हमे इसमें जीतना है, भले हमारे खुद की बुद्धि और ज्ञान से नहीं। शारिरिक रूप से कोशिश करने से पहले, हमे अपनी आत्मा को शरीर पर काबू करने देना है और उसे केवल परमेश्वर के अनुग्रह से ही जीतना हैं। हमे अपने–आप को परमेश्वर के हाथो में सौपना हैं क्योंकि हम हमारे खुद के शारिरिक बल से कभी नहीं जीत सकते हैं। हमे मानना हैं कि हम खुद से कुछ भी नहीं कर सकते हैं, केवल तब आत्मा शारिरिक रूप पर प्रबल होगा और उसे दबा देगा और हमारे लिए युद्ध को जीतेगा। इब्रानियों १०:३९ – हम उन में से नहीं जो नाश होने के लिए पीछे हटते हैं, पर उनमें से हैं, जो प्राणों की रक्षा के लिए विश्वास रखते हैं। हमे उन में से एक नहीं होना हैं जो पीछे

हटते हैं, लेकिन मानना है कि हमारा प्राण बच सकता हैं। १ यूहन्ना ५:१९ – हम जानते है कि हम परमेश्वर से हैं, और सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है। अब्राहाम और लूत, दोनों ने उनके रहने के स्थान को छोड़ा और उस स्थान पर गए जो परमेश्वर ने उनके लिए चुना है। लेकिन जब समय आया आगे अलग होने का, हमने देखा हैं कि लूत ने उस स्थान को चुना जो आँखो को प्यारा लगा, एक स्थान जो हरियाली और एश्वर्यमान लग रहा था। लेकिन अब्राहाम का विश्वास परमेश्वर पर था। उसने उस स्थान को चुना जो परमेश्वर ने उसके लिए चुना। इब्रानियों ११:८–९ – विश्वास ही से अब्राहाम जब बुलाया गया तो आज्ञा मानकर ऐसे स्थान को चला गया जो उसे उत्तराधिकार में मिलने वाला था अर्थात परदेश में इसहाक और याकूब के साथ जो उसी के समान प्रतिज्ञा के उत्तराधिकारी थे, तम्बुओं में रहा। वह नहीं जानता था कि मैं कहां जा रहा हूं, फिर भी चला गया। विश्वास ही से वह प्रतिज्ञा के देश में परदेशी होकर रहा। हमारे जीवन में भी, हमे हमारे विश्वास और भरोसा को परमेश्वर पर ड़ालना हैं, वह हमारे लिए सवोत्तम ही करेगा। यशायाह २८:१६ – इसलिए प्रभु यहोवा यों कहता है, "देखो, मै सिय्योन में एक पत्थर, एक परखा हुआ पत्थर, हां, नींव के लिए एक बहुमूल्य कोने का पत्थर, दृढ़ता से रखने पर हूं; जो कोई उस पर विश्वास करेगा वह न डगमगाएगा। अगर हमारा विश्वास परमेश्वर पर स्थिर नहीं है, वह उठेगा और गिरेगा समुद्र के लहरों के समान। हमे शांति तब मिलेगी जब हमारा विश्वास प्रभु पर टिका रहेगा। हम देखते हैं कि कैसे नबी नहेमायाह का विश्वास प्रभु पर टिका था, हम देखते हैं नहेमायाह ६:११ में – परन्तु मैंने कहा,"क्या मुझ जैसा मनुष्य भागे? और क्या ऐसा मनुष्य अपना प्राण बचाने को मन्दिर में घुसे? मैं भीतर नहीं जाऊंगा।" यह ज़रूरी है कि हम मज़बूत रहे और प्रभु परमेश्वर पर ध्यान रखे। याद रखना, परिक्षाए और क्लेश हमारे जीवन में आते हैं देखने के लिए कि हम कितना हमारे परमश्वर पर विश्वास करते हैं, हम कितना हमारे प्रभु परमेश्वर से प्यार करते हैं; क्या हम हमारे प्रभु को इनकार करते हैं या उसपर निर्भर होते है मदद क लिए। यह संसार हमे कुछ नहीं देगा दुख और दर्द के सिवाय। लेकिन, याद रखना, हमारा परमेश्वर हमे कभी नहीं छोड़ेगा। हमारे सभा में बहुत सी परिक्षाएँ और क्लेश बहुत सारे शाखाओं से २०१० में झेला। बहुत से दुख और दर्द में पड़ जाते हमारा विश्वास बहुत हिलाया गया। लेकिन मेरा विश्वास और भरोसा केवल परमेश्वर पर था। मुझे महान शांति और शक्ति था हर परिस्थिति का सामना करने के लिए। बहुत से अलग–अलग बीमारियों और बीमारी में तकलीफ़ उठाते उनकी कमज़ोरी के कारण लेकिन मेरा विश्वास केवल परमेश्वर पर था। जब मैंने परमेश्वर से प्रार्थना किया कि सन २०१० परिक्षाएँ और क्लेशों से भरा था भले वह हमारे नाव में था। मैंने परमेश्वर से पूछा की सन २०११ कैसे होगा। परमेश्वर ने मुझे एक दर्शन दिखाया २०११+४ का। मैंने परमेश्वर को उसका साफ़ प्रगटीकरण पूछा और परमेश्वर ने मुझे बताया उत्पत्ति १:४ – परमेश्वर ने देखा कि उजियाला अच्छा है, और परमेश्वर ने उजियाले को अन्धियारे से अलग किया। जब मैंने यह वचन पढ़ा, मेरे हृदय में महान शंति आया। सचमुच परमेश्वर ने मुझे सन २०११ में बहुत आशिषित किया उसके वचन को अंधकार के जगहों में ले जाने में और इन अन्य जाति के लोगों के जीवनों में उजाला लाने के लिए। परमेश्वर ने उसके वचन का प्रचार करने के लिए शक्तिशालि रीति से मेरा उपयोग किया है। मेरे परमेश्वर ने सचमुच मेरी ओर कृतज्ञता दिखाई और

उसके वचन के सच्चाई में रहा जो उसने मुझे इस वर्ष के शुरूवात में दिया। किसी ने भी कलपना नहीं की होगी परमेश्वर की योजना के बारे में जो इस सेवा के लिए है। बहुतो ने सोचा कि यह सेवा बंद हो जाएगा। लेकिन जब हम पीछे देखते हैं, हमने परमेश्वर के बहुतायत अनुग्रह को देखा है। दुष्ट ने हमे भ्रमित करके बहुत बाधा लाने कि कोशिश की। लेकिन हमारे सर्वशक्तिमान परमेश्वर जिसकी आँखें केवल हमारे प्राणों पर है, हमे अलग–अलग परिस्थितियों में चुना है। हम में से बहुत परमेश्वर द्वारा इस संसार के नींव से पहले चुने गए, जब कि कुछ उनके माँ की गर्ब में से चुने गए और कुछ पैदा होने के बाद, उनके क्लेश के कारण। यह केवल परमेश्वर की बुलाहट का कारण है जो हम इस सेविका में है। हमारा परमेश्वर हमारे सेवा को लगातार साफ़ कर रहा है और वह ऐसा भविष्य में भी करते रहेगा। जीवन एक लंबा सफ़र है; उस मार्ग में हमे परमेश्वर की सच्चाई को जानना है। प्रभु परमेश्वर दाऊद से इतना प्यार क्यों करता था? परमेश्वर ने दाऊद को आशिषित क्यों किया? भजन संहिता ७३:२६–२८ – चाहे मेरा शरीर और मन दोनों हताश हो जाएं, फिर भी परमेश्वर सदा के लिए मेरे हृदय की चट्टान और मेरा भाग है। क्योंकि देख, जो तुझ से दूर हैं, वे नाश होंगे; जो तेरे प्रति विश्वासयोग्य नहीं उन सब को तू ने नष्ट कर दिया है। परन्तु परमेश्वर के समीप रहना ही मेरे लिए भला है, मैंने प्रभु यहोवा को अपना शरणस्थान माना है, कि मैं तेरे सब कार्यों का वर्णन करूं। क्योंकि दाऊद ने अपना भरोसा और विश्वास परमेश्वर पर रखा, उसने हमेशा परमेश्वर को सम्मान में ऊँचा उठाया और हर परिस्थिति में उसके जीवन के, उसने केवल परमेश्वर की ओर मदद के लिए देखा। इसलिए परमेश्वर ने हमेशा दाऊद से प्यार किया और उसे आशिषित किया। भजन संहिता १४२:५ – हे यहोवा, मैं तुझे पुकार उठा, मैंने कहा, "तू मेरा शरणस्थान है, जीवितों की भूमि पर तू मेरा भाग है। दाऊद ने प्रभु को पुकारा और हमेशा एक अच्छा साक्षी था प्रभु परमेश्वर के लिए। यिर्मयाह ने प्रभु का क्या नाम रखा? यिर्मयाह १०:१६ – याकूब का निज भाग तो इनके समान नहीं, क्योंकि सब का सृजनहार वही है। इस्राएल उसकी मीरास का गोत्र और सेनाओं का यहोवा उसका नाम है। उसने प्रभु परमेश्वर को "सेनाओं का प्रभु" कहकर बुलाया है। अंत के समयों में हमारा परमेश्वर एक स्वर्गदूत नहीं बल्कि स्वर्गदूतों के सेनाओं को भेजेगा उसके चुने हुओ को इस पृथ्वी से इकट्ठा करने के लिए, इसलिए यह ज़रूरी है हमारे लिए कि हम इस संसार को जीते और अपने प्राणों को बचाएँ। न्याय के उस दिन जब हम महान तुरही की गूँज सुनेंगे, हम सब को तैयार रहना हैं उसके चुने हुओं के जैसे ताकि हम परमेश्वर के स्वर्गदूतों द्वारा इकट्ठा किए जाएँ। सारी परीक्षाओं और क्लेशों द्वारा इस संसार के, हमे हमारी जीत जीतनी हैं और केवल तब हम परमेश्वर के चुने हुएँ बन सकते हैं। प्रभु तुम में से हर एक को इस वचन द्वारा आशीष दें और यह संदेश बहुतों के जीवनों में आशीष लाएँ।

प्रभु की स्तुति हो।

पास्टर सरोजा म.